



डॉ. सूर्यकांत बी. गुप्ता ने 'देवी अहिल्या विश्वविद्यालय', इंदौर से 'इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार' में स्नातकोत्तर और एमबीए की उपाधियां प्राप्त की हैं। उन्होंने 'कार्ल्सरूहे इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी', जर्मनी से 'सूचना और संचार प्रौद्योगिकी' में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। उनके पास भारत सरकार के अंतरिक्ष विभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग, और फोर्सचुंग्ससैन्त्रुम कार्ल्सरूहे, जर्मनी जैसी प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं में 30 से अधिक वर्षों का शोधकार्य का अनुभव है। वर्ष 2006-2008 के दौरान उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय ओजोन सोसाइटी पेरिस, फ्रांस के निदेशक मंडल, एवं सदस्य, कार्यकारी परिषद, यूरोपीय स्पर्दित पावर सोसाइटी और इंडियन सोसाइटी ऑफ पार्टिकल एक्सेलेरेटर [आईएसपीए] के संस्थापक कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया है। उन्होंने सामाजिक लाभ हेतु प्लाज्मा तकनीक आधारित विभिन्न स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है तथा विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं और सम्मेलनों की कार्यवाहियों में 80 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। वह कई घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक अनुदान संस्थानों के समीक्षक के रूप में भी योगदान देते हैं। डॉ. गुप्ता ने 2 पीएचडी तथा 50 से अधिक स्नातकोत्तर छात्रों का मार्गदर्शन किया है तथा भारत और विदेशों में 60 से अधिक आमंत्रित वार्ताएं दी हैं। वह आईईटीई के फेलो और एचबीएनआई के नोडल अधिकारी भी हैं। वह 'बोर्ड ऑफ स्टडीज' तथा 'फैकल्टी ऑफ टेक्नोलॉजी', निरमा यूनिवर्सिटी अहमदाबाद और 'बोर्ड ऑफ स्टडीज' 'कडी विश्वविद्यालय', गांधीनगर के सदस्य हैं। उन्होंने आईईई ट्रेजक्शन - 'डाइलेक्ट्रिक्स और विद्युत इन्सुलेशन' में अतिथि संपादक के रूप में भी अपनी सेवाएं दी हैं। वह अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ एरोनॉटिक्स एंड एस्ट्रोनॉटिक्स (एआईएए) के एलईओ, एमईओ, जीईओ और अंतरिक्ष पर्यावरण के चंद्र वातावरण और प्रयोगशाला सिमुलेशन (स्पेस एनवायरनमेंट) की उप-समितियों के लिए नामांकित सदस्य हैं। डॉ. गुप्ता, रियल वर्ल्ड डिजाइन चैलेंज, अमेरिका के लिए भारतीय समन्वयक हैं। उनका कार्यक्षेत्र इलेक्ट्रॉनिक्स, इंस्ट्रुमेंटेशन और नियंत्रण इंजीनियरिंग, उच्च वोल्टेज इंजीनियरिंग, उपग्रह सौर-कूपन पर ईएसडी डिस्चार्ज, जल उपचार, बायोइलेक्ट्रिक्स और प्लाज्मा प्रौद्योगिकी के औद्योगिक अनुप्रयोग आदि हैं। वह परमाणु ऊर्जा विभाग के 'हिंदी सेवी पुरस्कार' के प्राप्तकर्ता हैं। उन्होंने परमाणु विज्ञान और इंजीनियरिंग को हिंदी में लोकप्रिय बनाने के लिए द्विभाषी (हिंदी और अंग्रेजी) शब्दावली तैयार करने के लिए प. उ. वि. और वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग, मानव संसाधन और विकास मंत्रालय, भारत सरकार की संयुक्त टीम के सदस्य के रूप में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वर्तमान में वे प्लाज्मा अनुसंधान संस्थान, गांधीनगर में वैज्ञानिक अधिकारी-जी के पद पर कार्यरत हैं।

Dr.-Ing. Suryakant B. Gupta has obtained Master's degree in electronics and communication and MBA degree from DAVV Indore. He has obtained PhD degree in Information and Communication Technology from KIT, Germany. He has more than 30 years of research experience with national and international scientific laboratories of Department of Space, Department of Atomic Energy, Government of India and Forschungszentrum Karlsruhe, Germany. During 2006-2008 he has served as a member, Board of Directors of International Ozone Society Paris France, Member, Executive council, European Pulsed Power Society and founder, Executive committee member of Indian Society of Particle Accelerator [ISPA]. He has significantly contributed in the development of various plasma based technologies for the societal benefits. He has published more than 80 research papers in various international Journal and conference proceedings. He also contributes as a reviewer of several domestic and international scientific funding agencies. He has guided more than 50 Master of Engineering students and 2 PhD students for their dissertations and delivered more than 60 invited talks in India and abroad. He is a fellow of IETE, and Nodal officer-HBNI. He is a member of Board of Studies and Faculty of Technology, Nirma University Ahmadabad and Board of Studies Kadi University Gandhinagar. He has served as a guest editor of IEEE Transactions on Dielectrics and Electrical Insulation. He is a nominated member to the sub-committees of LEO, MEO, GEO and Lunar Environments & Laboratory Simulation of Space Environment of the of American Institute of Aeronautics and Astronautics (AIAA) and country coordinator for the "Real World Design Challenge", USA. His research areas are Electronics, Instrumentation & control Engineering, High Voltage engineering, ESD discharges on satellite solar coupons, Water Treatment, Bioelectrics and Industrial applications of Plasma Technology. He is recipient of Hindi Sevi Award of Department of Atomic Energy. He has contributed as a member of Joint team of DAE and Commission of Scientific & Technical Terminology, Ministry of Human Resources and Development, Government of India, for preparation of a bilingual (Hindi and English) glossary for popularizing nuclear science and engineering in Hindi. Presently he is working as Scientific Officer-G at Institute for Plasma Research, Gandhinagar.